आज की जनधारा

रायपुर, रविवार 25 जुलाई 2010

जल संरक्षण में अल्ट्राटेक का योगदान

तिल्दा नेवरा। हिरमी स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र ने जल संरक्षण में वैज्ञानिक पद्धति से अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट संयंत्र अपनी स्थापना के साथ ही 'ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से जल संरक्षण एवं सम्वर्धन को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न पहल किए है। निकटवर्ती क्षेत्रों में जल संवर्धन के कार्यक्रमों को गति प्रदान करने हेतु वैज्ञानिक ढंग से संपादित करने तथा अधिक प्रभावी बनाने हेतु यूनिट हेड एस.कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया साथ ही एफ्रो (एक्शन फार फुड प्रोडक्शन) राष्ट्रीय स्तर की एनजीओ तथा तकनीकी सहयोग से चरणबद्ध योजना बनाई गई।

जलग्रहण क्षेत्र में 20,000 रनिंग मीटर कंटूर कार्य को पूरा कर वर्षाजल को सरंक्षित किया जा रहा है। वर्षाजल हेतु बनाई गई नालियों में 154 बोरवेल वाटर रिचार्ज शाप्ट का निर्माण कर वर्षाजल से भूमिगत स्तर पर सीधे पुनर्भरण किया जा रहा है। साथ ही बड़े भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग की तकनीक को अपनाया जा रहा है। वर्तमान तथा विगत वर्षा में निकटवर्ती गांवों के 14 तालाबों में 19 बार गहरीकरण कार्य कर तालाबों में जल संरक्षण क्षमता को बढ़ाया गया है साथ ही कुछ तालाबों में पानी के निकासी को नियंत्रित करने हेतु ऐड रेगुलेटर का निर्माण किया जा रहा है। अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए 13 स्टापडेम में ग्रामीणों को सामग्री प्रदान किया जिससे भूमिगत जल स्तर को बढ़ावा मिला है। संयंत्र क्षेत्र के गांवों को जल संग्रहण के महत्व के प्रति और अधिक संवेदनशील एवं जागरूक बनाने हेतु मैगसेसे एवार्ड प्राप्त राजेन्द्र सिंह के कार्यक्षेत्र अलवर तथा कुरूक्षेत्र में गांव के प्रमुख व्यक्तियों के दल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। ग्रामीण स्तर पर वाटरशेड मेनेजमेंट पर प्रशिक्षण जागरूकता, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शिनी, फिल्म शो आदि का आयोजन किया गया है। इन सभी कार्यों को करने में स्थानीय जनसमुदाय, स्व-सहायता समूह, पंचायतों का भरपूर सहयोग रहा। भविष्य में भी संयंत्र अपने निकटवर्ती गांवों में एफ्रो के जल संरक्षण संबंधी अध्ययन के आधार पर कार्ययोजना बनाकर जल संवर्धन कार्यों को अधिक बढ़ावा देगी।

जल संरक्षण में अल्ट्राटेक की भागीदारी की जानकारी के लिए श्रमजीवी पत्रकार संघ के तिल्दा के अध्यक्ष मोहन राजपूत तथा प्रेसक्लब अध्यक्ष मोती ज्ञानचंदानी, उपाध्यक्ष रितेश वाधवा, कोषाध्यक्ष जयनेन्द्र बघेल, महासचिव शशि भूटानी एवं मुख्य अधिकारी कुमार से इस संबंध में चर्चा किया जिसमें बताया कि अंचल के ग्रामीणों को जल संवर्धन के क्षेत्र में उचित जानकारी दिया जा रहा है। है।